पंचायती नव वर्ष एवं वादे

नया वर्ष नये वादों और उम्मीदों के साथ प्रारम्भ हो चुका है। विश्व के अन्य देशों के साथ–साथ सम्पूर्ण भारतवर्ष नये वर्ष के उत्सव के रंग में रंगा हुआ है। भारत में अनेक तरह के त्यौहार मनाए जाते रहे है। इनमें से कुछ परम्परा आधारित तो, कुछ व्यवस्था आधारित होते हैं। पंचायत का चुनाव व्यवस्था आधारित त्यौहार के समान है, जो प्रत्येक पांच वर्ष में बड़े धूम–धाम से पंचवर्षीय उम्मीदों, वादों, और कसमों के साथ मनाया जाता है। हरियाणा प्रदेश के सन्दर्भ में कहें तो यह नववर्ष के साथ–साथ पंचायती नववर्ष की शुरुआत का समय भी है। इसकी तैयारी भी बड़े जोर–शोर से चल रही है। पिछले दिनों मुझे हरियाणा जिले के अभयपुर गांव में जाने का मौका मिला और मैंने उस कड़ाके की ठण्ड में पंचायत चुनाव की तपिश महसूस की। थोड़ी देर के लिए मै भी उस उत्सव भरे माहौल मे आनंदित हो उठा लेकिन अगले पल ही चिन्ता भी होने लगी। चिन्ता के कारणों की बात करुँ तो बड़े–बड़े होर्डिंग्स, पोस्टरों, बैनरों में धन की बर्बादी, लाउडस्पीकर से आती कानफोडू व भद्दे गीत–संगीत की आवाज से विद्यार्थियों की शिक्षा में हो रहे व्यवधान, बीमारों, राहगीरो की परेशानियों और सबसे बढ़कर प्रदूषण को बढ़ाने में उनके योगदान से है, जो पिछले दो महीने से चल रहा है। भले ही सरकार के पंचायत चुनाव संबंधी संशोधनों से उपजे विवाद के कारण चुनाव स्थगित हो गया था पर प्रचार–प्रसार में बाधा नहीं पड़ी। इसी सन्दर्भ में मैंने जब एक उम्मीदार से बात की तो उन जनाब का सीधा जवाब था–***"के फरक पड़े सै स्वामी जी, चुनाव तो होणा ही है, होण दो प्रचार, मन्ने चुनाव खातिर एक करोड़ रुपया काड रखै सै, खर्च भी होण चाहिए"।***

मैं उन महाशय के जवाब को सुनकर आवाक रह गया और सोचने लगा कि आपसी समझ व सहमति से चुने जाने वाले ग्राम प्रमुख के लिए इतने पैसो की क्या आवश्यकता है? दूसरी बात यह कि जब व्यक्ति इतने पैसे खर्च कर रहा है तब वह वसूलेगा भी उसी अनुपात में? ग्राम प्रमुख का चयन तो गांव वाले रोजमर्रा के अनुभव के आधार पर, उम्मीदार की योग्यता व कार्य करने की क्षमता आदि कसौटियों के आधार पर करते हैं। पर नहीं, जिस तरह हमारी राष्ट्रीय राजनीति में क्षरण देखने को मिलता है उसका असर गांव की पंचायत पर भी हुआ है। अब लोग समाज सेवा एवं ग्राम सेवा से अधिक स्वयं की सेवा पर ध्यान देने लगे हैं। मतदाताओं को लुभाने के लिए (खरीदने के लिए कहूँ तो गलत न होगा) तरह–तरह के भ्रष्ट हथकण्डे अपनाये जाने लगे हैं। जिसमें सबसे खतरनाक एवं घिनौना तरीका है शराब का प्रयोग। शराब व्यक्तिगत तौर पर उम्मीदवारों को ग्राम प्रमुख तो बनाने में योगदान करती है। किन्तु सम्पूर्ण ग्राम के विनाश का जो दुश्चक्र प्रारम्भ करती है उसकी कोई भरपाई नहीं कर सकता। यह व्यक्तिगत तौर से शरीर विनाश से प्रारम्भ कर परिवार, नातेदारी व समाज सभी को तोड़ने और बर्बाद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

विशेषतौर से शराब बहन–बेटियों व महिलाओं के लिए तो विष के समान ही है। उदाहरण के रुप में देखें तो छेड़खानी व बलात्कार की बढ़ती घटनाओं के लिए शराब व नशे की अन्य वस्तुएं ही अधिक जिम्मेदार है। ग्रामीण परिवारों में नशे में धुत पति द्वारा मारपीट, विवाहिताओं की हत्या और कभी–कभी तो नशे में धुत पति अपनी ही पत्नी को वैश्या बनने के लिए मजबूर करता है। नशे के कारण परिवार विनाश तो भारत के अखबारों, टी०वी० चैनलों में रोजमर्रा की खबरें है और हम सब इतने सहज हो गये है कि उन पर ध्यान देना अपना समय बर्वाद करना समझते हैं।

मेरे विचार से इस बुराई को जड़ से समाप्त करने के लिए हरियाणा की बहन–बेटियों तथा समझदार नागरिकों के लिए पंचायत का चुनाव नववर्ष पर मिला सबसे अच्छा अवसर है । यही वह समय है जब सम्पूर्ण ग्रामवासी विशेषकर महिलाएं अपने मत का अधिकतम सदुपयोग कर इस बुराई को जड़ से मिटाकर सुनहरे भविष्य की नींव रख सकती हैं। इसके साथ ही धनपशुओं को नकार कर राजनीति को व्यवसाय बनने से रोक सकती हैं। पिछले दिनों हमने देखा कि बिहार की महिलाओं ने नीतिश कुमार के नशाबंदी के लिखित आश्वासन के बाद ही उन्हें भारी मतों से विजयी बनाया जिसकी राजनीतिक पण्डितों को उम्मीद ही नहीं थी। मैं आभारी हूँ मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी का, जिन्होंने महिलाओं, बहन–बेटियों से किया हुआ अपना वादा शपथपूर्वक निभाया।

मैं आशा करता हूँ हरियाणा की भूमि से, वहां के निवासियों से कि वो नशामुक्त पंचायत बनाने का संकल्प लें और उसी उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करें जो नशामुक्त गांव बनाने का लिखित आश्वासन दे, और मनरेगा से भ्रष्टाचार समाप्त करने एवं मज़दूरों के हितों की रक्षा का वादा करे। विजेता सामाजिक सद्भाव तथा समानता व सहअस्तित्व में विश्वास करने वाला हो। पंचायत चुनाव के माध्यम से नशामुक्त पंचायत बनाने की यह छोटी सी शुरुआत सम्पूर्ण देश को नशामुक्त–भयमुक्त बनाने में मील का पत्थर साबित होगी और अगले पांच वर्षों के लिए गांव की स्त्रियों, बहन–बेटियों के लिए नववर्ष का अनमोल उपहार भी होगा।

– स्वामी अग्निवेश

E-mail : agnivesh70@gmail.com

सम्पर्क : 011.23367943